बरेली, रविवार
28 फरवरी, 2021
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 6.00
पृष्ठ 20+4=24

दैनिक जागरण

PAGE NO 7 : TOP

एसआरएमएस रिद्धिमा में आयोजित हुआ वसंतोत्सव, सांस्कृतिक धरोहर से रूबरू हुए लोग

बनारस घराने के सुर और ताल से सजी रिद्धिमा की शाम

जासं, बरेली : एसआरएमएस रिद्धिमा 'मंच एवं ललित कला केंद्र' में वसंतोत्सव संध्या का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक धरोहर जैसे नृत्य संगीत परंपराओं को पुनः जीवित करने के उद्देश्य से शहर में स्थापित किए गए रिद्धिमा के मंच पर बनारस घराने के कलाकारों की नाट्य प्रस्तुति दी। उनके संगीत के तालमेल ने दर्शकों को देश की सांस्कृतिक धरोहर से रूबरू होने का मौका दिया। कत्थक की प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया।

एसआरएमएस रिद्धिमा में पहली बार सांस्कृतिक संध्या वसंतोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मौजूद चेयरमैन देवमूर्ति, गुरु मेहरोत्रा व गणमान्य लोग • जागरण

स्टेडियम रोड स्थित एसआरएमएस रिद्धिमा के ऑडिटोरियम में सांस्कृतिक संध्या वसंतोत्सव की शुरुआत एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति, सचिव आदित्य मूर्ति, आशा मूर्ति और ऋचा मूर्ति ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद पहली प्रस्तुति डा. उमा तिवारी ने सरस्वती वंदना के रूप में की। इसके बाद गायिका इंदु बाइसल ने 'आये दिन बहार के' फिल्म में लता मंगेशकर द्वारा गाये गाने 'सुनो सजना पपीहे ने' को अपने स्वरों से संवारा। दूसरी प्रस्तुति में उन्होंने डा. पंकज शर्मा के साथ 'लो फिर वसंत आई, फूलों पे रंग लाई' गीत गाकर दी। इसके बाद भरत नाट्यम की प्रस्तुति अंबाली प्रहराज ने डा. पंकज शर्मा के स्वरों से सजे कबीर के भजन 'लागा चुनरी में दाग छुपाऊं कैसे' पर भावपूर्ण प्रस्तुति देकर सभागार को आध्यात्म के रस में डुबो दिया। वहीं आनंद मिश्रा और शिवशंभू कपूर ने तबले पर जुगलबंदी प्रस्तुत कर सभागार में मौजूद सभी लोगों को ताली बजाने पर मजबूर कर दिया। इसके बाद डा. पंकज मिश्रा के स्वर में प्रस्तुत शिव वंदना पर अमृत मिश्रा ने कत्थक ने कथक पर भावपूर्ण प्रस्तुति दी। इसके बाद बनारस घराने की श्वेता चौधरी ने भरतनाट्यम पर प्रस्तुति दी। वहीं बनारस घराने के वासु कृष्ण महाराज ने अपने छोटे भाई वैभव कृष्ण महाराज के साथ कत्थक नृत्य से कई विशेष प्रस्तुतियां दीं। अंत में देविका मूर्ति व उनकी टीम की कत्थक प्रस्तुति को काफी सराहा गया। वसंतोत्सव का संचालन सेंटर हेड डा. कविता अरोरा ने किया। कार्यक्रम में हेड क्वार्टर उत्तर भारत एरिया के मेजर जनरल सब्बी गिरीश और ब्रिगेडियर मोहन लाल, गुरु मेहरोत्रा आदि मौजूद रहे। इससे पहले कार्यक्रम में दो दिनी चित्रोत्सव प्रतियोगिता के विजेताओं की भी घोषणा हुई। जिसमें कनिष्ठ वर्ग में अंशिका अग्रवाल और वरिष्ठ वर्ग में कार्वी शुक्ला ने प्रथम स्थान हासिल किया।

झूम के थिरके कदम

...रेली का एसआरएमएस रिद्धिमा का। यहां पहली बार सांस्कृतिक संध्या वसंतोत्सव का आयोजन हुआ। इस मौके पर बनारस घराने के ...त्थक गुरु अमृत मिश्रा की शिष्याओं देविका मूर्ति और केशवी ने अपने मनमोहक नृत्य से ऐसा समां बांधा कि लोग बरबस ही वाह कर उठे। ...गार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा • अभय शर्मा